सारा ने अब्राहम को “स्वामी” कहा

फ़िलिप बी. पेन (Philip B. Payne) · जर्मन अनुवाद: Hans-Jörg Ronsdorf · नवंबर 2022 · अक्टूबर 2026 में संशोधित

विवाह में पुरुष और स्त्री के संबंध पर 1 पतरस 3 की संक्षिप्त व्याख्या – फ़िलिप बी. पेन (Philip B. Payne), ट्विटर पर, नवंबर 2022

1 पतरस 3:6 में इसका क्या अर्थ है कि सारा ने अपने पति को “स्वामी” (जर्मन में: Herr, “प्रभु”) कहा, और कि वह उन मसीही स्त्रियों के लिए आदर्श है, जिनसे पतरस बात करता है? क्या यह विवाह में सिर होने और अधिकार के किसी अर्थ की ओर संकेत करता है? नहीं, ऐसा नहीं है।

> **1 इसी प्रकार हे स्त्रियो, तुम अपने-अपने पति के अधीन रहो, ताकि यदि उनमें से कुछ वचन को न मानते हों, तो भी स्त्रियों के चाल-चलन के द्वारा बिना वचन के जीत लिए जाएँ, 2 क्योंकि उन्होंने भय के साथ तुम्हारे पवित्र चाल-चलन को देखा है; 3 तुम्हारा श्रृंगार बाहरी न हो – बाल गूँथना, सोने के गहने पहनना या कपड़े पहनना – 4 बल्कि हृदय का छिपा हुआ मनुष्य, नम्र और शान्त आत्मा के अविनाशी श्रृंगार के साथ, जो परमेश्वर की दृष्टि में बहुत मूल्यवान है। 5 क्योंकि पहले समय की पवित्र स्त्रियाँ भी, जो परमेश्वर पर आशा रखती थीं, इसी प्रकार अपने आप को सँवारती थीं और अपने-अपने पति के अधीन रहती थीं; 6 जैसे सारा अब्राहम की आज्ञा मानती थी और उसे स्वामी कहती थी; यदि तुम भलाई करो और किसी भी प्रकार के भय से न डरो, तो तुम उसकी सन्तान बन गई हो।** (जर्मन एल्बरफेल्डर अनुवाद से अनूदित)

यहाँ पतरस का सारा की ओर संकेत सचमुच रोचक है, क्योंकि पवित्रशास्त्र में केवल एक ही स्थान है, जहाँ सारा अब्राहम को अपना स्वामी कहती है, और वह तब है, जब वह ईश्वरीय अतिथियों की इस भविष्यद्वाणी पर हँसती है कि उसके एक पुत्र होगा:

“सारा मन में सोचकर हँसी: ‘जब मैं जर्जर हो गई हूँ और मेरा स्वामी बूढ़ा है, तो क्या मुझे यह सुख फिर मिलेगा?’” (उत्पत्ति 18:12)। पहली दृष्टि में यह एक अजीब पाठ है, जिसे पतरस एक ऐसे उदाहरण के रूप में देता है, जिसका हमें अनुसरण करना है।

कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि पतरस उत्पत्ति की ओर नहीं, बल्कि “अब्राहम का वसीयतनामा” (Testament Abrahams) नामक पुस्तक की ओर संकेत करता है। मैंने हाल ही में इस विचार पर विचार किया है। मुझे लगता है कि यह संदिग्ध है कि पतरस के पास “अब्राहम का वसीयतनामा” उपलब्ध था; यह संभवतः पहली या दूसरी शताब्दी में ही लिखा गया। इसके अलावा “मेरे स्वामी अब्राहम” के संदर्भों में से कोई भी आज्ञाकारिता के ऐसे संदर्भ में नहीं है, जो पतरस के संकेत को समझा सके। इसलिए मेरा मानना है कि हमें अपना उत्तर उत्पत्ति 18 में खोजना होगा। पहले 1 पतरस से एक महत्वपूर्ण संदर्भ!

पतरस उन मसीही पत्नियों को सलाह देता है, जिनका विवाह ग़ैर-मसीही पतियों से हुआ है – ऐसे समय में, जब मसीहियों के लिए बड़ी कठिनाइयाँ और दुःख थे। पतरस ने कई तरीक़ों की बात की है कि मसीहियों को एक शत्रुतापूर्ण संसार की मौजूदा सामाजिक संरचनाओं में कैसे जीना चाहिए।

(इसका अर्थ यह नहीं कि वह इन सब सामाजिक संरचनाओं को सही ठहराता है!) **जब वह विवाह पर आता है, तो पत्नियों के अधीन रहने का जो कारण वह देता है, वह यह नहीं है कि स्त्रियाँ हीन या अधीनस्थ हैं या उनकी कोई अलग भूमिका है।**

एक ऐसे संसार में, जिसमें स्त्रियों के पास बस छोड़कर चले जाने की संभावना नहीं थी, और जिसमें पति अपनी पत्नी को मसीह का इनकार करने की आज्ञा दे सकता था, स्त्रियाँ मसीह के लिए अपनी शान्त गवाही के द्वारा अपने अन्यजाति पतियों को जीत सकती थीं। तो उत्पत्ति 18 का इससे क्या संबंध है? जब सारा सुख या आनन्द की बात करती है, तो उसका अर्थ अपने पति के साथ यौन संबंध से है, जो एक बच्चे के आनन्द तक पहुँचा सकते थे। क्योंकि सारा ने इसहाक को गर्भ में धारण किया, इसलिए स्पष्ट है कि उसने इस प्रक्रिया में अब्राहम के साथ भाग लिया और भविष्यद्वाणी की आज्ञा मानी।

यह संकेत देता है कि पतरस उन मसीही पत्नियों को, जो इस संस्कृति में एक अन्यजाति पति से बच्चा उत्पन्न करने से डर सकती थीं, यह भरोसा दिलाता है कि उन्हें इससे डरने की आवश्यकता नहीं। यह 1 कुरिन्थियों 7:14 में पौलुस की याद दिलाता है: "नहीं तो तुम्हारे बच्चे अशुद्ध होते; परन्तु अब वे पवित्र हैं।"

न 1 पतरस की पत्री, न अब्राहम/सारा की कहानी पदानुक्रम वाले विवाह के किसी मानदंड की नींव रखने के लिए उपयुक्त है। पतरस एक कठिन स्थिति में मसीही स्त्रियों के लिए एक पास्टरीय सलाह देता है (और, जैसा हमें मानना होगा, एक ऐसी संस्कृति में, जो उन्हें कोई विकल्प नहीं देती थी)।

पद 7 में पतरस उन मसीही पतियों से बात करता है, जिनका विवाह मसीही पत्नियों से हुआ है, और पहली बार एक विशेष रूप से मसीही विवाह की बात करता है।

सचमुच! बाइबल में अब्राहम से कहा गया है कि वह सारा की बात माने, परन्तु कभी इसका उलटा नहीं। सेप्टुआजिंट उत्पत्ति 16:2 में सारा के प्रति अब्राहम की आज्ञाकारिता के लिए वही शब्द प्रयोग करती है, जो 1 पतरस 3:6 में सारा की आज्ञाकारिता के लिए है।

> **2 और सारै ने अब्राम से कहा: देख, यहोवा ने मेरी कोख बंद कर रखी है कि मैं जनूँ नहीं; इसलिए मेरी दासी के पास जा; कदाचित् उसके द्वारा मेरा घर बस जाए। और अब्राम ने सारै की बात मानी।**

1 पतरस 3:7 में पतरस मसीही पत्नियों वाले मसीही पतियों से बात करता है **और उनसे कहता है कि वे अपनी पत्नियों के अधीन रहें।** यह महत्वपूर्ण है कि इस पद में कोई मुख्य क्रिया नहीं है। अनुवादों ने इसे अलग-अलग तरीक़ों से संभाला है।

> **7 हे पतियो, तुम भी इसी प्रकार बुद्धिमानी से उनके साथ रहो, जैसे एक निर्बल पात्र, अर्थात् स्त्री के साथ, और उन्हें आदर दो, क्योंकि वे भी जीवन के अनुग्रह की संगी वारिस हैं, ताकि तुम्हारी प्रार्थनाएँ रुक न जाएँ।**

कुछ लोगों ने तो पूर्वसर्गीय विशेषक "kata gnōsin" का अनुवाद ऐसे किया है, मानो वह एक क्रिया हो, लगभग "ध्यान रखनेवाले बनो" के रूप में। "Kata gnōsin" कोई क्रिया नहीं है। और इसका अर्थ "ध्यान रखनेवाले बनो" नहीं है।

पतरस लिखता है: "हे पतियो, इसी प्रकार..." मुख्य क्रिया के बिना यह "इसी प्रकार" (homoiōs) हमें बताता है कि वाक्य मानो एक क्रिया उधार लेता है। वह कुछ ऐसा माँगता है, जो पिछली आज्ञाओं के समानांतर है।

पिछले तीनों अनुच्छेदों में से हर एक "अधीन रहने" की आज्ञा से आरंभ होता है, और इसमें एक ही क्रिया प्रयोग की गई है: "hypotassō"। संदर्भ जो एकमात्र आज्ञा देता है, वह है "अधीन रहना", और फिर से "अधीन रहना" 3:7 में पूरी तरह ठीक बैठता है।

"स्त्रियाँ, जो इसी प्रकार [homoiōs] अपने पतियों के अधीन रहती हैं" और "पुरुष, जो इसी प्रकार [homoiōs] अधीन रहते हैं" के बीच का निकट समानांतर स्वाभाविक रूप से यही अर्थ देता है: "पुरुष, जो इसी प्रकार [अपनी पत्नियों के] अधीन रहते हैं।"

पर इस तथ्य का क्या, कि स्त्री "निर्बल पात्र" है? इसके कई अर्थ हो सकते हैं:

पहला, औसतन स्त्रियाँ शारीरिक रूप से पुरुषों से निर्बल होती हैं। पतियों को इस बल का अपने लाभ के लिए उपयोग नहीं करना चाहिए, बल्कि उनके साथ ध्यान और सम्मान से व्यवहार करना चाहिए।

दूसरा, यह उस संस्कृति में स्त्री की निर्बल सामाजिक स्थिति की ओर संकेत कर सकता है, जो उसे अधिक असुरक्षित बनाती थी। पतरस का निर्देश "उन्हें आदर दो" उस यूनानी शब्द का प्रयोग करता है, जो सामाजिक प्रतिष्ठा को व्यक्त करता है।

अधीन रहने और आदर देने की आज्ञा की गंभीरता पर ज़ोर देने के लिए पतरस यह भी जोड़ता है: "ताकि कोई बात तुम्हारी प्रार्थनाओं में बाधा न डाले।" विवाह में पारस्परिकता परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण है।

एक विशिष्ट मसीही विवाह के विषय में पतरस का दर्शन पारस्परिकता (म्यूचुअलिटी) का है, जिसमें पति-पत्नी एक दूसरे से प्रेम करते हैं, एक दूसरे का आदर करते हैं और एक दूसरे के अधीन रहते हैं, एक दूसरे को संगी वारिस मानते हैं और विश्वास में एक दूसरे की उन्नति करते हैं।

जर्मन अनुवाद: Hans-Jörg Ronsdorf, ऑग्सबर्ग (Augsburg), 8 नवंबर 2022